दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम में दिसम्बर 2016 के उपरांत प्रवेश प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों हेतु जानकारी :–
Information for students who got Admission in Distance Education program AFTER DECEMBER 2016 :-

सत्रीय कार्य हेतु प्रश्न

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम – परिवार प्रबंधन

(01). प्रथम प्रश्नपत्र – परिवार निर्माण (0201)

सत्रीय कार्य हेतु प्रश्न – निम्नलिखित दसों प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना है । प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है ।

01. परिवार निर्माण में पंचशील सिद्धांतों की उपयोगिता को विस्तार से समझाए ?
02. पारिवारिक मर्यादा एवं सदाचार के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए सामाजिक विकास में इसके योगदान की व्याख्या कीजिए ?
03. "दांपत्य जीवन परिवार का आधार है ।" इस कथन के आधार पर विवाह संस्कार एवं विवाहोत्सव की महत्ता पर प्रकाश डालिए ।
04. परिवार को सुखी व समुन्नत बनाने के लिए पारिवारिक सुसंस्कारिता के महत्व पर प्रकाश डालिए ?
05. पारिवारिक संबंध व्यक्तित्व को किस प्रकार प्रभावित करते हैं ? स्पष्ट कीजिए । संबंधों को मधुर बनाने के उपायों पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ?
06. सफल दांपत्य जीवन के लिए व्यावहारिक एवं भावनात्मक परिपेक्ष्य में पति एवं पत्नी की भूमिकाओं का वर्णन करें ?
07. संयुक्त परिवार की विशेषताओं को बताते हुए वर्तमान संदर्भ में इसकी आवश्यकता को स्पष्ट करें ?
08. वर्तमान समय में होने वाले पारिवारिक विघटन के कारणों को स्पष्ट करते हुए इसके निवारण के लिए अपने विचार विस्तार से लिखें ?
09. "उपासना जीवन की अनिवार्य आवश्यकता" इस तथ्य की पुष्टि कीजिए ?
10. निम्न में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें –
    (क) बजट
    (ख) परिवार नियोजन
    (ग) संयुक्त परिवार
    (घ) पारिवारिक सहयोग

(02). द्वितीय प्रश्नपत्र – भारतीय नारी (0202)

सत्रीय कार्य हेतु प्रश्न – निम्नलिखित दसों प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना है । प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है ।

01. भारतीय नारी के गुणों को विस्तार से समझाए ? नर एवं नारी समानता को स्पष्ट कीजिए ?
02. मानसिक विकारों की चर्चा करते हुए स्वस्थ रहने के मूलभूत सिद्धांतों की चर्चा कीजिए ?
03. भोजन के सार को सुरक्षित रखने के लिए किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक हैं ? संतुलित एवं स्वाभाविक भोजन की महत्ता को बताइए ?
04 .आहार में सम्मिलित विभिन्न तत्वों एवं उनकी कमी से होने वाले रोगों का विस्तृत वर्णन करें ।
05. नारी जागरण की आवश्यकता क्यों हैं ? स्पष्ट करें । नारी जागरण के लिए आप क्या योगदान करेंगे ? विस्तार से समझाइए ?
06 .भारतीय नारी के कर्त्तव्यों को समझाते हुए किसी आदर्श नारी के जीवन प्रसंगों पर प्रकाश डालिए ?
07. स्वास्थ्य प्रबंधन में रसोईघर की भूमिका का वर्णन करें ? विभिन्न मसालों के औषधीय गुणों की चर्चा कीजिए ?
08. "व्यायाम एक अनिवार्य आवश्यकता" इस तथ्य की पुष्टि कीजिए ?
09. भोजन के आध्यात्मिक प्रभाव से आप क्या समझते हैं ? भोजन के विभिन्न सूत्रों का वर्णन कीजिए ?
10. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें –
    (क) परमात्मा की सर्वश्रेष्ठ शक्ति नारी
    (ख) प्रौढ़ महिला शिक्षा
    (ग) संतुलित भोजन
    (घ) मांसाहार की हानियाँ

(03). तृतीय प्रश्नपत्र – बाल निर्माण (0203)

सत्रीय कार्य हेतु प्रश्न – निम्नलिखित दसों प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना है । प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है ।

01. संस्कार से आप क्या समझते हैं ? बाल निर्माण में संस्कारों की भूमिका स्पष्ट करें ?
02. बालकों की शिक्षा – दीक्षा एवं परीक्षा में सफलता के लिए घर की पाठशाला के महत्व को बताइए ?
03. बालकों के सर्वांगीण विकास के लिए बौद्धिक, मानसिक एवं भावनात्मक विकास आवश्यक है ? इस तथ्य की पुष्टि कीजिए ?
04. बालकों के पाँच रत्नों को विस्तार से समझाइएँ ?
05. बालकों के विकास में खेल का क्या स्थान है ? खेल के द्वारा उन्हें किस प्रकार शिक्षण दिया जा सकता है ? स्पष्ट करें ।
06. परिधान का स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ता है ? वस्त्रों का रख – रखाव किस प्रकार होना चाहिए ?
07. किशोरावस्था में घर एवं आसपास के वातावरण का महत्व बताइए ? किशोरों को दोष – दुर्गुणों से बचाने के लिए किस प्रकार का वातावरण होना चाहिए ?
08. बालकों में विकास संबंधी समस्याओं का उल्लेख करें ? समस्याओं को दूर करने के लिए सुझाव प्रस्तुत करें ?
09. वर्तमान में बाल – अपराध के बढ़ने के कारणों को स्पष्ट करें ? इसके निवारण हेतु उपयुक्त सुझाव दीजिए ?
10. निम्न में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए –

(क) शिशु की प्रारंभिक देखरेख एवं स्वास्थ्य संवर्द्धन ।

(ख) बालकों का नैतिक विकास ।

(ग) बालकों में अर्थानुशासन ।

(घ) बाल विकास में परिवार की भूमिका ।

सत्रीय कार्य हेतु नियम एवं निर्देश :–

- प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र हेतु एक सत्रीय कार्य (Assignment) बना कर जमा करना होगा ।
- सत्रीय कार्य के अन्तर्गत हल किए जाने वाले प्रश्न वेबसाइट पर दिए जाएंगे । यह विद्यार्थियों की जिम्मेदारी होगी कि वे वेबसाइट से सत्रीय कार्यो के प्रश्नों को प्राप्त करें ।
- प्रमाणपत्र पाठयक्रमों में प्रत्येक प्रश्नपत्र के सत्रीय कार्य में 10 प्रश्न होंगे । विद्यार्थी को इन दसों प्रश्नों के उत्तर लिखने होगें । प्रत्येक उत्तर लगभग 250 शब्दों का होना चाहिए । समस्त प्रश्न समान अंको के होंगे ।
- स्नातकोत्तर डिप्लोमा योग विज्ञान पाठ्यक्रम में प्रत्येक प्रश्नपत्र के सत्रीय कार्य में 4 प्रश्न होंगे । विद्यार्थी को इन चारों प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे । प्रत्येक उत्तर लगभग 400 शब्दों का होना चाहिए । समस्त प्रश्न समान अंको के होंगे ।
- सत्रीय कार्य लिखने के लिए ए – 4 साइज सादे सफेद कागजों का प्रयोग करना आवश्यक है ।
- सत्रीय कार्य के ऊपर प्लास्टिक का फाइल कवर नहीं लगाना हैं ।
- सत्रीय कार्य सिर्फ स्वलिखित (अपनी हस्तलिपि में) ही होना चाहिए । कम्पयूटर द्वारा टाइप किया गया सत्रीय कार्य अथवा अन्य किसी प्रकार से तैयार किया गया सत्रीय कार्य निरस्त कर दिया जाएगा ।
- यदि यह पाया जाता है कि सत्रीय कार्य में एक दूसरे की नकल की गई है तो ऐसे समस्त सत्रीय कार्य निरस्त कर दिए जाएंगे ।
- विद्यार्थी प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के लिए एक सत्र में सिर्फ एक बार ही सत्रीय कार्य जमा कर सकता है । यदि विद्यार्थी एक से अधिक बार सत्रीय कार्य जमा करता है तो सबसे पहले जमा किया गया सत्रीय कार्य ही मान्य होगा ।
- प्रत्येक प्रश्नपत्र का सत्रीय कार्य अलग से बना कर जमा करना होगा । यदि विभिन्न प्रश्नपत्रों के सत्रीय कार्यो के प्रश्नों के उत्तर एक – के – बाद – एक लगातार लिख दिए गए हैं, तो ऐसे सत्रीय कार्यो को निरस्त कर दिया जाएगा ।
- प्रत्येक प्रश्नपत्र के सत्रीय कार्य के ऊपर फॉर्म क्रमांक 1 लगाना अनिवार्य है (यह फॉर्म वेबसाइट पर दिया गया है) । फॉर्म क्रमांक 1 में अन्य जानकारी के साथ – साथ उस प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड भरे होने चाहिए जिसका यह सत्रीय कार्य है । फॉर्म क्रमांक 1 पर विद्यार्थी का वही हस्ताक्षर होना चाहिए जो उसने पाठ्यक्रम में प्रवेश के समय दिया था । यदि किसी सत्रीय कार्य के ऊपर फॉर्म क्रमांक 1 नहीं लगा होगा या उसमें वांछित समस्त जानकारी नहीं भरी गई होगी तो उस सत्रीय कार्य को निरस्त कर दिया जाएगा ।
- सत्रीय कार्य को रजिस्टर्ड डाक द्वारा अथवा स्वयं आकर दूरस्थ शिक्षा केन्द्र में जमा कराना होगा।

- प्रत्येक सत्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि दूरस्थ शिक्षा केंन्द्र की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी । यह विद्यार्थीयों की जिम्मेदारी है कि वे इस जानकारी को वेबसाइट से प्राप्त कर के अंतिम तिथि तक दूरस्थ शिक्षा केन्द्र में सत्रीय कार्य जमा करें । अंतिम तिथि तक सत्रीय कार्य दूरस्थ शिक्षा केन्द्र में जमा करना अनिवार्य है । अंतिम तिथि के उपरान्त प्राप्त सत्रीय कार्य निरस्त कर दिया जाएगा । अंतिम तिथि आगे बढ़ाने हेतु दिए गए किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा । यदि कोई विद्यार्थी अंतिम तिथि आगे बढ़ाने हेतु अनावश्यक रूप से जोर देता है तो इसे अनुशासनहीनता माना जाएगा, एवं ऐसी स्थिति में विद्यार्थी पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का अधिकार विश्वविद्यालय प्रशासन के पास सुरक्षित रहेगा ।
- किसी सैद्धांतिक प्रश्नपत्र का सत्रीय कार्य जमा न करने की स्थिति में, उस सत्र में, विद्यार्थी को उस प्रश्नपत्र की सत्रांत परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी । इस संदर्भ में दिए गए किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा । इस संबंध में छूट उसी स्थिति में होगी जब कि किसी पूर्व सत्र में उस प्रश्नपत्र का सत्रीय कार्य जमा किया जा चुका हो, एवं उस सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण होने हेतु वांछित 40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर लिए गए हों ।
- सत्रीय कार्य के साथ एक ए – 4 साइज का लिफाफा जमा करना अनिवार्य है जिस पर विद्यार्थी का नाम एवं पूरा पता लिखा हुआ हो ।
- प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र हेतु सत्रीय कार्य 20 अंकों का निर्धारित किया गया है । यह उस प्रश्नपत्र के पूर्णांक (100 अंक) का 20 प्रतिशत है ।
- विद्यार्थी को प्रत्येक सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण होने हेतु 40 प्रतिशत अंक (8 अंक) प्राप्त करना अनिवार्य है ।

————000————